

चिप्पड़ पुं. (देश.) 1. छोटा चिपटा टुकड़ा 2. पपड़ी 3. किसी वस्तु को ऊपर से छील कर निकाला हुआ भाग, पपड़ी या छिलका।

चिप्पिका स्त्री (तत्.) 1. वृहत्संहिता के अनुसार एक रात्रिचर (रात में विचरने वाला) जंतु 2. एक चिड़िया का नाम।

चिप्पी स्त्री. (देश.) 1. फटे हुए कागज या बर्तन के ऊपर लगाए जाने वाला कागज या उसी धातु का छोटा टुकड़ा 2. छोटा चिप्पड़ 3. उपली 4. वह बटखरा जिससे सीधा तौला जाता है 4. सीधा 5. पच्छर 6. लकड़ी का छोटा टुकड़ा जिसे जोड़ कसने के लिए लगाते हैं।

चिबिल्ला वि. (देश.) चिलबिला।

चिबु पुं. (तत्.) चिबुक।

चिबुक पुं. (तत्.) 1. ठुंडी, ठोड़ी 2. मुचकुंद का वृक्ष 3. एक वृक्ष विशेष 4. ओठ के नीचे का भाग।

चिमगादड़ पुं. (तद्.) चमगादड़।

चिमटना अ.क्रि. (देश.) चिपकना, सटना, लिपटना 2. गुंथना 3. प्रगाढ़ आलिंगन करना 4. किसी का साथ पकड़ लेना।

चिमटा पुं. (देश.) लोहे अथवा पीतल आदि धातुओं की दो लंबी, लचीली फाड़ियों का बना हुआ एक औजार जिसे उस स्थान की वस्तुओं को पकड़ते और उठाते हैं जहाँ व्यक्ति का हाथ नहीं पहुँचता। यह रोटी सेंकने या अन्य कार्यों में उपयोगी होता है।

चिमटाना स.क्रि. (देश.) 1. चिपकाना, सटाना 2. लिपटाना।

चिमटी स्त्री. (देश.) 1. छोटा चिमटा 2. सुनारों का एक औजार जिससे तार आदि मोड़ने और महीन तथा सूक्ष्म चीजें उठाने का काम लिया जाता है।

चिमनी स्त्री. (अं.) ऊपर उठी हुई शीशे की वह नली जिससे लैंप का धुआँ बाहर निकलता है और प्रकाश फैलाता है 2. किसी मकान, कारखाने या

भट्ठी के ऊपर लोहे या ईंटों का बना वह लंबा छेद जिससे धुआँ बाहर निकलता है।

चिमि पुं. (तत्.) तोता।

चिमिक पुं. (तत्.) चिमि।

चिमोटी स्त्री. (देश.) चिमटी।

चिरंजीव पुं. (तत्.) बेटा, पुत्र, आत्मज जैसे- 'आपके चिरंजीव कैसे हैं वि. (तत्.) 1. एक आशीष भरा शब्द, दीर्घायु होने का आशीर्वाद, चिरंजीवी, बहुत दिनों तक जीने वाला अमर 2. दीर्घकालवर्ती।

चिरंटी स्त्री. (तत्.) युवती।

चिरंतन वि. (तत्.) 1. पुराना, पुरातन, चिरकालीन 2. सदा बना रहने वाला, शाश्वत 3. सदैव मौजूद रहने वाला।

चिर वि. (तत्.) 1. चिरायु 2. दीर्घकालवर्ती 3. सभी कालों में मौजूद रहने वाला 4. बहुत दिनों का (चिरकालिक), सदा, सभी समय 5. बहुत दिन 6. हर समय, दीर्घकालीन क्रि.वि. बहुत दिन तक, सदैव वर्तमान पुं. एक औषधि।

चिरई स्त्री. (देश.) 1. चिड़िया, पंछी, पक्षी।

चिरकढाँस स्त्री. (देश.) एक-न-एक रोग का नित्य बना रहना, कभी कुछ रोग, कभी कुछ 2. सदा बनी रहने वाली रुग्णता 3. नित्य का झगड़ा।

चिरकना अ.क्रि. (देश.) थोड़ा-थोड़ा मल निकलना।

चिरकाल पुं. (तत्.) दीर्घकाल, सदा, सब समय, बहुत समय।

चिरकीन पुं. (फा.) उर्दू भाषा के एक वीभत्स रस के कवि।

चिरकुट पुं. (देश.) फटा-पुराना कपड़ा, चिथड़ा (चीथड़ा)।

चिरचना पुं. (देश.) चिड़चिड़ाना।

चिरचिटा पुं. (तत्.) 1. चिचड़ा; अपमार्ग, एक प्रकार की घास का पौधा जो डेढ़-दो फीट का होता है और इसे पशु खाते हैं 2. एक प्रकार का पौधा जिसे पशु नहीं खाते और उस पर छोटे-छोटे